

राजस्थान सरकार
निदेशालय, पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग, राजस्थान, जयपुर

पत्र सं. पन(पन) नि.नि. वि.वि. / 2016/ पाठ-117

30.09.2016

दिनांक 10.10.16

सूचना निदेशक,
पेंशन एवं पेंशनर्स कल्याण विभाग,
राज्य कार्यालय,
जयपुर, बीमननगर, जोधपुर, जयपुर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर।

विषय :- पेंशनर की विधवा/विधुर की जन्मतिथि के निर्धारण करने के संबंध में।

- उपरोक्त विषय में राज्य सरकार द्वारा निम्न ज्ञापन जारी किये गये हैं :-
1. F.12(3)FD/Rules/2008 Dated 30.06.2009
 2. F.12(3)FD/Rules/2008 Dated 29.09.2011
 3. F.12(3)FD/Rules/2008 Dated 07.11.2014

इनके अनुसार जन्मतिथि निर्धारण हेतु कर्मचारी द्वारा पेंशन कुलक/सेवापुस्तिका में जन्मतिथि/आयु के संबंध में उपलब्ध कराई गयी सूचना को प्रथम प्राथमिकता दी जानी है। यदि कर्मचारी के पति/पत्नी का स्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उसमें अंकित जन्मतिथि अंगीकार्य होगी। यदि उक्त दोनों स्थितियां नहीं हैं तथा दिनांक 12.09.2008 से पूर्व के पैन कार्ड, पासपोर्ट एवं ड्राइविंग लाइसेंस में अंकित जन्मतिथि को माना जा सकता है बशर्ते कि पेंशनर का पति/पत्नी यह प्रमाण पत्र दे कि उसने सेकेंड्री स्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा पास नहीं की है।

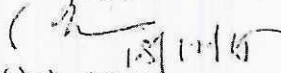
राशन कार्ड/भाउकल डायरी अथवा अन्य विधिक साक्ष्य के आधार पर जन्मतिथि निर्धारित करने से पूर्व संबंधित विभाग से जन्मतिथि के संबंध में उपलब्ध जानकारी मांगनी होगी जिसके लिये संबंधित विभाग को एक माह का समय दिया जावेगा।

यदि पेंशनर के पति/पत्नी की जन्मतिथि के संबंध में मेडिकल डायरी, राशन कार्ड अथवा अन्य विधिक दस्तावेज प्रस्तुत करना भी संभव नहीं हो तो उप खण्डीय न्यायाधीश द्वारा सत्यापित शपथ पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है जिसके आधार पर उसकी जन्मतिथि निर्धारित की जा सकेगी। दिनांक 01.01.2006 से पूर्व की सेवानिवृत्ति के मामलों में दिनांक 12.09.2008 से पूर्व के साक्ष्य ही मान्य होंगे।

जन्म तिथि निर्धारित होने के बाद सेकेंड्री स्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र में अंकित जन्म तिथि, सेकेंड्री स्कूल उत्तीर्ण नहीं होने पर पति/पत्नी (पारिवारिक पेंशन हेतु पात्र) के शपथ पत्र के साथ पदावस्था पत्र, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट की प्रति के साथ परिवर्तन की प्रार्थना प्राप्त करने पर उसका परीक्षण किया जावे तथा उचित समझा जाने पर पूर्व में जन्म तिथि निर्धारण के समस्त प्रमाणों से अनगत कराते हुए परिवर्तन की अनुमति हेतु निदेशक को अपनी अभिशंका के साथ प्रकरण प्रेषित किया जावेगा।

अधिकृति में साक्ष्य का उल्लेख न होने पर भी कोषाधिकारी द्वारा उसके आधार पर पेंशन का प्रमाणित किया जावेगा जिसका दायित्व अधिकृति जारी करने वाले अधिकारी का होगा।

शुद्धीय

()
13/10/16
(के.के. गैडियोक)
निदेशक